



**भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान**  
**ICAR-Indian Institute of Soybean Research**  
**खंडवा रोड, इन्दौर 452001**  
**Khandwa Road, Indore-452001**



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2022

दिनांक Date: 10.05.2022

YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IrkAuSyQ>

Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>

Twitter: @IisrIcar

Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

**सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers**  
**(मई 2022/ May 2022)**

1. मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा होने का अनुमान है. अतः कृषकों को सलाह है कि जहाँ तक संभव हो सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली से ही करें.
  2. सोयाबीन के उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से 2 से 3 वर्ष में एक बार अपने खेत की गहरी जुताई करना लाभकारी होता है. कृषकों को सलाह है कि इस अपने खेत की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें. गहरी जुताई के पश्चात विपरीत दिशा में कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें.
  3. सामान्य वर्षों में विपरीत दिशा में दो बार कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें.
  4. अंतिम बखरनी से पूर्व गोबर की खाद (10 टन/हे) या मुरगी की खाद (2.5 टन/हे) को खेत में फैलाकर अच्छी तरह मिला दे.
  5. विगत कुछ वर्षों में देखी गयी सूखे की स्थिति को देखते हुए सलाह है की सुविधा अनुसार 10 मीटर के अंतराल पर सब-सोइलर चलाये. इससे मिट्टी की कठोर परत तोड़ने एवं नमी का संचार अधिक समय तक रखने में सहायता मिलती है.
  6. सलाह है कि अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल न्यूनतम 2-3 सोयाबीन की किस्मों का चयन कर बीज उपलब्धता सुनिश्चित करें.
  7. बीज परिक्षण के माध्यम से अपने पास उपलब्ध बीज का अंकुरण (न्यूनतम 70%) सुनिश्चित करें.
  8. सोयाबीन की खेती के लिए आवश्यक आदान (बीज, खाद-उर्वरक, फफूंदनाशक, कीटनाशक, खरपतवारनाशक, जैविक कल्चर आदि) का क्रय एवं उपलब्धता सुनिश्चित करें.
1. The metrological department have predicted that major soybean growing states would receive normal to more than rainfall during the *kharif* season this year. The soybean farmers are requested to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow. This will facilitate managing the crop both in case of waterlogging as well as drought situatio.
  2. In order to have stability in yield, farmers are advised to apply deep summer ploughing once in 2-3 years. After this, the field should be prepared using criss-cross harrowings followed by planking.
  3. If deep summer ploughing is performed during last 2-3 years, the field may be prepared using criss-cross harrowing followed by planking
  4. Apply well decomposed FYM @ 10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha before the last harrowing.
  5. As per suitability, farmers are advised to run sub-soiler machine at an interval of 10 m which facilitate the breaking of hard soil pan thereby increasing the rain water infiltration.
  6. Select the soybean varieties recommended for your area and ensure the availability of seed.
  7. Carryout germination test of the available seed which should be minimum 70% in order to have optimum plant population.
  8. Ensure availability of other critical inputs like fertilizers, weedicides, fungicides and cultures for seed treatment etc.